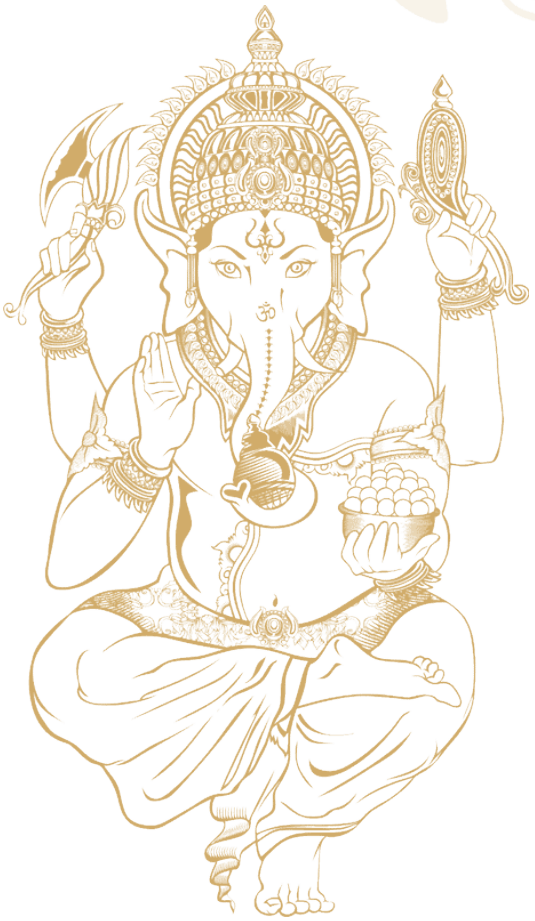

# Jayesh

10 May 1985

11:45 AM

Sangamner

# लाल किताब

**बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं.**
**ज्योतिष दुनियाबी हिसाब–किताब है, कोई दावाऐ खुदाई नहीं.**

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **10/05/1985** |
| दिवस | शुक्रवार |
| **जन्म समय** | **11:45:00 कला** |
| इष्ट | 14:21:56 घटी |
| **स्थान** | **Sangamner** |
| राज्य | Maharashtra |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| आजोबांचें नांव | |
| बडीलांचे नांव | |
| आईचें नांव | |
| जाति | |
| गोत्र | |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 19:34:00 उत्तर |
| रेखांश | 74:13:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:33:08 कला |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 कला |
| स्थानिक वेल | 11:11:52 कला |
| वेलान्तर | 00:03:37 कला |
| साम्पातिक वेल | 02:23:51 कला |
| सूर्योदय | 06:00:13 कला |
| सूर्यास्त | 18:59:10 कला |
| दिनमान | 12:58:57 कला |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | उत्तर |
| ऋतु | ग्रीष्म |
| सूर्याचे अंश | 25:53:11 मेष |
| लग्नाचे अंश | 16:23:28 कर्क |

| | |
|---|---|
| चैत्रादी संवत / शक | 2042 / 1907 |
| माह | ज्येष्ठ |
| पक्ष | कृष्ण |
| सूर्योदय समयी तिथि | 6 |
| तिथि समाप्ति वेल | 10:50:59 |
| जन्म तिथि | 7 |
| सूर्योदय समयी नक्षत्र | उत्तराषाढ़ा |
| नक्षत्र समाप्ति वेल | 14:46:12 कला |
| जन्म नक्षत्र | उत्तराषाढ़ा |
| सूर्योदय समयी योग | शुभ |
| योग समाप्ति वेल | 15:53:32 कला |
| जन्म योग | शुभ |
| सूर्योदय समयी करण | वणिज |
| करण समाप्ति वेल | 10:50:59 कला |
| जन्म करण | विष्टि |
| भयात | 52:24:34 |
| भभोग | 59:57:33 |
| भोग्य दशा वेल | सूर्य 0 वर्ष 8 मा 28 दि |

# ग्रह स्पष्ट तथा त्यांची स्थिति

| ग्रह | राशि | अंश | स्थिति | अंधा | सोया | धर्मी | नेक/मन्दा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | कर्क | 16:23:28 | ——— | —— | —— | —— | नेक |
| रवि | मेष | 25:53:11 | उच्च राशि | आह | —— | —— | मन्दा |
| चन्द्र | मकर | 08:20:41 | सम राशि | —— | —— | —— | नेक |
| मंगळ | वृषभ | 15:56:12 | सम राशि | —— | —— | —— | नेक |
| बुध | मेष | 00:54:02 | सम राशि | आह | —— | —— | नेक |
| गुरु | मकर | 22:17:28 | नीच राशि | —— | —— | —— | मन्दा |
| शुक्र | मीन | 16:24:22 | उच्च राशि | —— | —— | —— | मन्दा |
| शनि | व वृश्चिक | 01:35:35 | शत्रु राशि | —— | —— | —— | मन्दा |
| राहु | व मेष | 24:32:43 | शत्रु राशि | आह | —— | —— | मन्दा |
| केतु | व तुला | 24:32:43 | सम राशि | —— | —— | आह | मन्दा |

## भाव स्थिति

| खाना नं. | मालिक | पक्का घर | किस्मत जगानेवाला | सोया | उच्च | नीच |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | मंगळ | सूर्य | मंगळ | आह | सूर्य | शनि |
| 2 | शुक्र | गुरु | चंद्र | आह | चंद्र | —— |
| 3 | बुध | मंगळ | बुध | आह | राहु | केतु |
| 4 | चंद्र | चंद्र | चंद्र | —— | गुरु | मंगळ |
| 5 | सूर्य | गुरु | सूर्य | —— | —— | —— |
| 6 | बुध | बुध,केतु | केतु | आह | बुध,राहु | शुक्र,केतु |
| 7 | शुक्र | शुक्र,बुध | शुक्र | —— | शनि | सूर्य |
| 8 | मंगळ | मंगळ,शनि | चंद्र | आह | —— | चंद्र |
| 9 | गुरु | गुरु | शनि | —— | केतु | राहु |
| 10 | शनि | शनि | शनि | —— | मंगळ | गुरु |
| 11 | शनि | शनि | गुरु | —— | —— | —— |
| 12 | गुरु | गुरु,राहु | राहु | आह | शुक्र,केतु | बुध,राहु |

## लग्न कुंडली

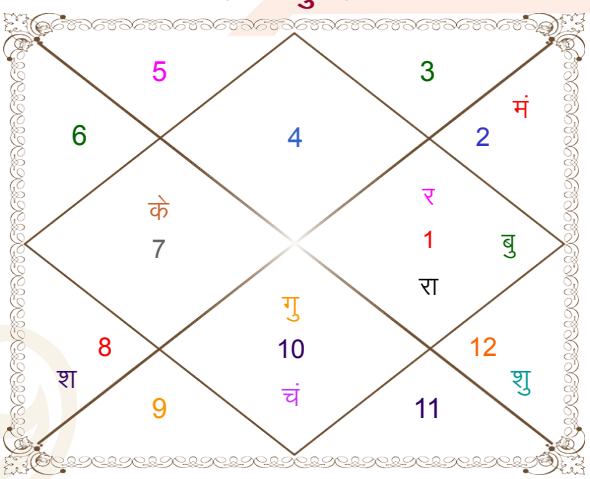


## लालकिताब कुंडली

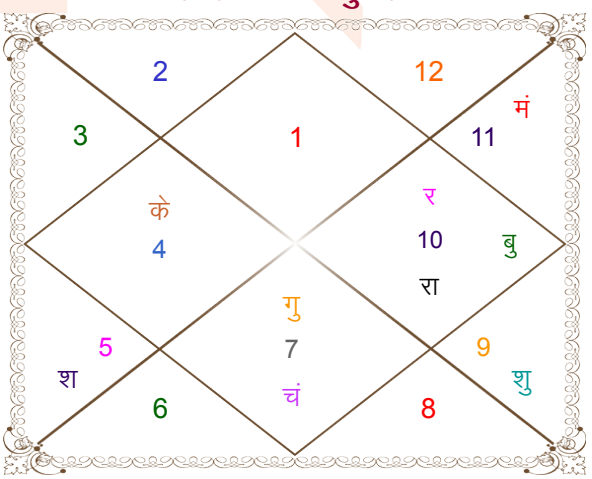

# लाल किताब ग्रह फल

## सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में सूर्य दसवें खाने में बैठा है। इसकी वजह से आप किसी संस्था के प्रधान, जज, सरपंच, नेता भी हो सकते हैं। आप किसी से धोखा-फरेब नहीं करेंगे। सरकारी विभाग, नौकरी-व्यापार में धन-लाभ, मान-सम्मान मिलेगा। नौकर-चाकरों का अच्छा सुख मिलेगा। राज्य पक्ष से लाभान्वित होंगे। आप बहुत वहम करेंगे। संतान पक्ष कमजोर रहेगा। 19 वर्ष की उम्र के लगभग पिता से दूर होना पड़ सकता है। आपको इज्जत, सेहत और दौलत का सुख मिलेगा। परिवार में कोई व्यक्ति उच्चपद पर संस्था प्रधान या सरकार द्वारा सम्मानित होगा।

यदि आपके मकान का मुख्य दरवाजा पश्चिम दिशा में हुआ, नंगा सिर रखने की आदत रही, अपना भेद दूसरों को बताया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से 34 वर्ष की आयु तक का समय कष्टमय रहेगा। आप मशीनरी या लकड़ी से संबंधित नौकरी-व्यापार करेंगे तो हानि होगी। खानदानी विरासत और पिता का सुख कम मिलेगा। लकड़ी, लोहा, भैंसों से संबंधित व्यापार या काली चीजों के व्यापार से नुकसान होगा। आपके घुटने में दर्द हो सकता है। आपकी आंखों की नजर और उम्र पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ससुराल में रहना ससुराल पक्ष वालों के साथ कोयले, बिजली का धंधा करने से हानि होगी। सत्ता से परेशानियां भी रहेंगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अपना भेद किसी को भी न देवें।
2. सूर्य की रोशनी नंगे सिर पर न पड़े।

उपाय :

1. सिर पर सफेद या शरबती पगड़ी या टोपी पहनें।
2. बुजुर्गी मकान में हैंड पंप लगावें।

## चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा सातवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपको सुंदर पत्नी का सुख प्राप्त होगा। आप नेता, वकील, व्यापारी बन सकते हैं। खेती की जमीन से भी लाभ मिलेगा। मध्यम पढ़ाई का योग है। आपके घर में जल तथा दूध की व्यवस्था हमेशा रहेगी। आप स्वयं लक्ष्मी अवतार होंगे। आपकी योगाभ्यास, शायरी और ज्योतिष विद्या में रुचि होगी। आप आस्तिक और ईश्वर भक्त होंगे। आप सरकारी सर्विस में होंगे तो प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। उत्तम वाहन सुख मिलेगा। दुनियादारी से मोहभंग हो जाएगा। आध्यात्म का फल श्रेष्ठ रहेगा। आप अपने पराक्रम से मिट्टी से सोने पैदा कर सकते हैं। धन-दौलत, जेवरात आदि की बरकत

होगी। आपको सरकार से या किसी संस्था द्वारा सम्मान मिलेगा या आप विदेश में अधिक समय व्यतीत करेंगे। विदेश की यात्रा करेंगे। ईश्वर की भक्ति प्राप्त होगी। आपको जल से संबंधित चीजों से लाभ होगा। आप नये विषयों की खोज भी करेंगे।

यदि आपने परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे, भूत-प्रेत की सिद्धि की, मादक चीजों-द्रव्यों का प्रयोग किया। माता या स्त्री से झगड़ा किया, 24-25 वर्ष आयु में विवाह हुआ तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से 2 वर्ष तक माता का स्वास्थ्य ढीला रहेगा या माता से अलग रहना पड़ सकता है। विवाह के बाद माता के सुख में कमी आ सकती है। माता का विरोध करना आपके लिए अशुभ होगा। आपको 24वें वर्ष में विवाह करना भावी संतान के लिए प्रतिकूल होगा। आपका चाल-चलन संदेहपूर्ण होगा। दूध और पानी को बेचने से संतान सुख में बाधा हो सकती है। आपकी पत्नी और आपकी माता का आपस में झगड़ा रहेगा, पत्नी से संबंध विच्छेद या दूरी का भय रहेगा या हो सकता है। मादक चीजों/द्रव्यों के प्रयोग से आपकी बर्बादी होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. दूध-पानी माल न बेचें।

उपाय :

1. दूध पानी का दान करें।
2. विवाह के बाद पत्नी की डोली आपके घर में आने से पहले पत्नी के वजन के बराबर चावल या दरिया का पानी कायम करें।